Rehabilitation

MED EL

LittlEars®

डायरी गतिविधियां पुस्तिका

hearLIFE

BRIDGE
to better communication

LittlEars®

डायरी गतिविधियां पुस्तिका

परिचय

इस पुस्तिका का लक्ष्य है लिटिलइयर्स डायरी गतिविधियों के प्रयोग द्वारा आपको कुछ सूचनाएं प्रदान करना।

लिटिलइयर्स डायरी और गतिविधियां उपचार प्रदान करने वालों के समूह के साथ मूल्यांकित की गई हैं। परिणाम दिखलाते हैं कि प्रशिक्षण पेशेवर तथा देखभाल करने वाले उन उपकरणों के साथ बच्चों तथा माता पीता के साथ ज्यादा बात कर पाते हैं जो उनकी सहायता करते हैं! ये गतिविधियां इस अध्ययन का परिणाम है।

निम्न पृश्ठ दिखलाते हैं कि किस प्रकार ये गतिविधियां एक साथ लिटिल इयर्स डायरी के साथ प्रयोग की जाती हैं।

मुझे उम्मीद है कि ये गतिविधियां तथा दिशानिर्देश लिटिलइयर्स डायरी को सहयोग देने के लिए बनाई गई हैं, तथा वे सुनने में अक्षम बच्चों के उपचार प्रदाताओं तथा देखभाल करने वालों के व्यावहारिक प्रयोग के लिए होंगे। मुझे यह भी उम्मीद है कि ये सुझाव बच्चों के साथ बातचीत करने के प्रति ज्यादा प्रभावी होंगे तथा ज्यादा रोचक होंगे।

जूली कोसनर

[1]Kosaner J, Kilinc A, Aktas S, Toktay L, Kosaner M

Evaluation of the LittlEARS® Diary and Activities to Supplement the LittlEARS® Diary as a Basis for Early Parent Guidance, 2009, 7th Asia Pacific Symposium on Cochlear Implants and Related Sciences – APSCI, Singapore

मेरी लिटिलइयर्स डायरी

मेरी लिटिलइयर्स डायरी में **बच्चे** के कॉक्लियर इम्प्लांट फिटिंग के बाद पहले 28 सप्ताह के बारे में लिखा है। यह संवाद, सुनने तथा भाशा दक्षताओं **बच्चे** के जल्द विकास तथा प्रचार के चरणों के बारे में सूचनाएं प्रदान करता है। यह डायरी **बच्चे** के व्यवहार को सजग. ता से परखती है तथा प्रगति को लिखती है। यह डायरी भीघ्र माता.पीता दिशानिदश के सत्रों के लिए आधार का निर्माण करती हैं; हालांकि साथ ही देखभालकर्ताओं के लिए यह भी लाभकारी है कि वे एक उपचारकर्ता के सामने बच्चों के साथ बात करने के साथ बात करने का अभ्यास करें। डायरी को सहयोग देने के लिए 28 गतिविधियों को बनाया गया है। ये गतिविधियां माता पीता तथा छोटे बच्चों के साझा करने के लिए हैं जो माता पीता दि ाानिर्दे ा सत्र के दौरान उपचारकर्ता द्वारा देखे जाने के समय के लिए हैं। प्रत्येक सप्ताह के लिए सुझाई गई गतिविधि प्रत्येक सप्ताह की डायरी प्रविश्टि में सलाह के साथ दी गई है तथा इसे डायरी में व्यावहारिक व्यवहार प्रारंभ करने के लिए माता पीता के लिए एक अवसर माना जाना चाहिए।

बच्च बच्चे

माता पिता निगरानी दिशानिर्देश सत्र

माता पिता के साथ डायरी प्रविश्टि में जाने के बाद, उपचारकर्ता को सप्ताह के लिए सुझाई गई गतिविधि को बताना चाहिए। उपचारकर्ता की भूमिका होनी चाहिए किः माता पीता ताए, गतिविधि के दौरान **बच्च** तथा माता पिता की बातचीत को सुने, बातचीत को बढ़ाने वाले व्यवहार की तारीफ करें, **बच्च** तथा माता पिता दोनों में ही प्रगति को बताए तथा ऐसी दा या तीन तकनीकें बताए जिस पर काम किया जा सकता है। उदाहरण के लिए यदि वयस्क बहुत ही निदश देने वाला तथा हस्तक्षेप करने वाला है जिसकी वजह से **बच्चा** अकेला ही खेल रहा है तो उपचारकर्ता माता पिता स **बच्च** को वह गतिविधि करने के लिए कह सकता है। यदि माता पिता **बच्च** को सही से नहीं देख रहा है तथा **बच्च**द्वारा किए गए कार्य के अर्थ को नहीं पकड़ पाता है तो उपचारकर्ता माता पिता को **बच्च** को और सही से देखने के लिए प्रेरित कर सकता है।

[2]My LittlEARS® Diary, Veekmans, Kuhn-Inacker. Meilyawati, D'Haese, 2004, MED-EL, Austria

गतिविधि का प्रकार

माता पिता तथा **बच्चे** को बात करने में सक्षम बनाने के लिए, **बच्चे** को पहले गतिविधि में रूचि लेने तथा उसमें जुड़ने की जरूरत होनी चाहिए। गतिविधि स्वयं में आव यक नहीं होती है, अगर गतिविधि **बच्चे**का ध्यान अपनी ओर आकर्शित नहीं कर पाती है तो कुछ भी ऐसी गतिविधि नही होगी जिस पर संवाद बनाया जा सके।

कई उपचारकर्ता बहुत ही छोटे **बच्चे**ा के साथ काम नहीं करते हैं तथा उन्हें समर्थन तथा दिशानिर्देश चाहिए होता है। ये बताई गई गतिविधियां प्रमाणिक है तथा आयु के अनुसार हैं। ऐसे संदर्भ होने पर उपचारकर्ता तैयार होता है तथा यह सुनिश्चित करता है कि ये गतिविधियां सत्र के दौरान दोहराई न जाएं तथा माता पिता के लिए कई गतिविधियां की जाएं। सहायक गतिविधियों के साथ लिटिलइयर्स डायरी जैसे भौक्षणिक कार्यक्रम भी पेशेवरों तथा हर जगह फैले स्थानों में दिशानिदश की गुणवत्ता को बनाए रखने में सहयोग करता है।

चिकित्सीय वातावरण

माता पिता के लिए दि ाानिर्दे ा एक योग्य ि ाक्षक/उपचारकर्ता द्वारा घर की सेटिंग में की जानी चाहिए। कई दे ाों में यह संभव नहीं है। क्लीनिक या पुर्नवास केन्द्र का वह कमरा जहां पर माता पिता के लिए दिशानिदश दिए जाते हैं वह घर जैसा होना चाहिए तथा उसमें घरेलू साजसज्जा का सामान होना चाहिए जैसे काउच, कु ान तथा बिस्तर, रसोईघर इकाई, सिंक तथा छोटा फ्रिज भी होना चाहिए। वे लोग जो **बच्चे**के साथ ज्यादा समय बिताते हैं वे इस सत्र में भाामिल होने चाहिए। यह अधिकतर या तो मां, पिता या फिर देखभाल करने वाले भी हो सकते हैं। यदि **बच्चे** की कोई भाई बहन है जो अक्सर घर पर रहती है तो उन्हें भी सत्र में भाामिल किया जा सकता है।

वीडियो रिकॉर्डिंग

समय समय पर वयस्क व **बच्चे**की बातचीत की प्रगति को रिकॉर्ड करना चाहिए तथा बातचीत का बेहतर मूल्यांकन करना चाहिए। **बच्चे** तथा माता पिता के बीच की बातचीत के वीडियो को कई बार देखकर ही परिवार के बातचीत की श्रेणी का मूल्यांकन करना चाहिए। एक माता पिता के लिए **बच्चे** के साथ अपने बात को देखना तथा मूल्यांकन करना बहुत ही उपयोगी होता है।

वयस्क तथा **बच्चे**के बात के मुख्य सिद्धांत

तीन साल या दो साल से छोटे **बच्चे** आसानी से भ्रमित हो सकते हैं तथा वे बनाई गई गतिविधि को पूरा करने में अक्षम होते हैं तथा ज्यादा देर तक काम करने में असफल होते हैं। इसकी वजह से 28 गतिविधियों को बनाया गया है।

बच्चे के साथ गतिविधि के दौरान बात करने के लिए वयस्क को निम्न बातों को ध्यान में रखना चाहिए:

1. माता पिता को खिलौनों के साथ बहुत ही ज्यादा खेलना नहीं चाहिए क्योंकि इससे माता पिता **बच्चे** को सही से देख नहीं पाते हैं।
2. वयस्क को **बच्चे** की गतिविधियों को सावधानी से देखना चाहिए ताकि वह **बच्चे** की इरादों को सही से समझ सके। **बच्च** को बोलना सिखाने के भुरूआती दिनों में एक **बच्चा** वह समझना भुरू कर सकता है जो वयस्क बोलता है, जब वयस्क द्वारा बोले गए वाक्य तथा भाब्द **बच्च** के विचारों तथा कामों से संबंधित होते हैं।
3. छोटे शिशुओं को खिलौनों तथा सामानों के साथ खुल कर खेलने देना चाहिए। छोटे **बच्चे** केवल देखना हीं नहीं चाहते हैं। वे खुद को इसके साथ खेलते देखना चाहते हैं। यदि **बच्चे**चाहता है, सोचता है तथा सक्रिय है, उसके पास साझा करने के लिए विचार हैं और बा तचीत करने का एक कारण।
4. खिलौने तथा चीजें एक संबंधित समूह में प्रस्तुत होनी चाहिए ताकि छोटे **बच्चे**खिलौने या वस्तु के साथ कुछ कर सकें। जैसे एक खिलौने वाली बिल्ली एक कटोरे, दूध, तकिए तथा एक रिबन और बिल्ली के गले में बांधने के लिए एक घंटी के साथ प्रस्तुत की जानी चाहिए। **बच्चे**के पास फिर बिल्ली को दूध पिलाने का, उसे सुलाने का तथा घंटी को सुनने का एक मौका होगा जैसे ही वह बिल्ली को घुमाएंगे। यह गतिविधि माता पिता को मौका दे सकती है कि क्या हो रहा है के बारे में बात करें।
5. Tमाता पिता को छोटे **बच्चे**की रूचि के प्रति अपना ध्यान प्रद ित करना चाहिए। एक छोटा **बच्चे**केवल दूसरों की रूचि के अनुसार काम कर सकता है। इसकी अर्थ है यदि माता पिता चाहेंगे कि बच्चे खेलें तो **बच्चे**ा खेलेगा। कम से कम वयस्क यह तो जान ही सकता है कि **बच्चा** क्या कर रहा है। इसे समानांतर खेल कहते हैं। हालांकि लक्ष्य यही होना चाहिए कि एक साथ खेला जाए। माता पिता को भी **बच्चे** के साथ खेल मे खुद को जोड़ने की जरूरत होनी चाहिए। एक छोटा **बच्चे**ा एक वयस्क को ज्यादा स्वीकार करने वाला होता है जो उसकी इच्छा को पूरा करने मे सहयोग देता है (खेल को सुगम बनाता है) बजाय इसके जो खेल को निर्देशित करने का प्रयास करता है। वयस्क अपने **बच्चे** की सहायता कर सकता है, या तो एक डिब्बे को खोल कर या एक छेद के माध्यम से एक आकार को खींच कर। हालांकि वयस्क

को पहले **बच्चे** को कई बार प्रयास करने देना चाहिए तथा **बच्चे**द्वारा मदद मांगे जाने पर ही मदद करनी चाहिए।

6. माता पिता को **बच्चे** को पहले से ही तय खेल में नहीं खेलने देना चाहिए क्योंकि इससे **बच्चे**की रूचि इसमे नहीं जागती।
7. छोटे बच्चे अधिकतर एक ही काम को बार बार करना चाहते हैं। उदाहरण के लिए आप एक कंटेनर में एक या दो बॉल रख सकते हैं फिर उन्हें बाहर निकालें तथा उन्हें फिर अंदर डालें तथा साथ ही फिर से उन्हे निकालें। छोटे **बच्चे** हो सकता है कि इस काम का ठीक से न कर सकें अर्थात सभी गेंदों को कंटेनर में सही से न रख सके न निकाल सकें। माता पिता को चाहिए कि वे धैर्य रखें तथा जब तक **बच्चे**इस खेल को खेलना चाहता है वह इसे खेलने दें तथा बार बार बोल कर उसे प्रतिक्रिया दें।
8. वयस्क **बच्चे** की दोहराने की भाक्ति को बढ़ाने के लिए कुछ खेल दिखा सकते हैं। उदाहरण के लिए वे काल्पनिक पेय द्वारा यह दिखा सकते हैं कि डॉली के चेहरे को कैसे धोना है। हालांकि यह तभी होना चाहिए जब समय सही हो। अर्थात जब **बच्चे** किसी गतिविधि में रूचि खो दे तथा दूसरी करने के लिए तैयार हो।
9. छोटे शिशुओं को जितना अधिक हो सके व्यस्त रखना चाहिए तथा उन्हें चीजों को खोलने देना तथा फेंकने देना चाहिए। हांलाकि इसका अर्थ नहीं होता कि **बच्चे** को सत्र के दौरान खराब व्यवहार करने का हक है। उदाहरण के लिए वॉ ंग म ीन में डिटर्जेंट का एक पूरा पैकेट खाली करना या पूरी जगह जानबूझ कर पानी फैलाना, धोने मे मदद करने के लिए। वयस्क को साफ भाब्दों में 'नहीं' बोल कर यह स्पश्ट करना चाहिए कि उसके इस व्यवहार को सहन नहीं किया जाएगा। यदि फिर भी **बच्चे** इस काम को चालू रखता है तो वयस्क को उस पर ध्यान देना बंद कर देना चाहिए।
10. वयस्कों को **बच्चे** द्वारा भ्रुरू किए गए छोटे छोटे कामों को विकसित करने का प्रयास करना चाहिए। हो सकता है कि एक छोटा **बच्चे**एक रेलगाड़ी पर मां लिखे तथा वयस्क रेल पर पिता लिखे। वयस्क **बच्चे** को रेल को धक्का देने के लिए भू भू करके भी प्रोत्साहित कर सकता है। वयस्क एक बॉक्स हाउस के पास पिता लिख सकता है तथा 'गुडबाइ' कह सकता है और उसे डिब्बे के अंदर छिपा सकता है। यदि **बच्चे** इच्छुक है तो रेलगाड़ी और लोगों के साथ वापस आ सकती है। हालांकि यह भी हो सकता है कि छोटा **बच्चा** इस दिनचर्या को जारी न रखना चाहे लेकिन वह फिर से मां को तो ले लेगा। जब तक **बच्चे**खेलना चाह रहा है तब तक वयस्क **बच्चे** को अपनी तरह से खेलने के लिए जोर न डाले।

खिलौनों का प्रबंधन

बच्चे के पास कुछ खिलौने होने चाहिए ताकि वह जब चाहे उनसे खेल सके। ये खिलौने जमीन पर एक टोकरी में रखे होने चाहिए। खिलौन साफ जगह पर हों तथा साथ ही टूटे खिलौने फेंक दिए जाने चाहिए। **बच्चे** की तारीफ खिलौनों से सही से खेलने के लिए करें। टोकरी में रखे खिलौनों को बदलते रहना चाहिए जिससे **बच्चे** को नया पन मिल सके। खास खिलौनों को **बच्चे** की पहुंच से दूर रखना चाहिए। तथा केवल खास सत्रों के लिए ही प्रयोग में आना चाहिए। यदि **बच्चे** इन खास खिलौनों को जानबूझ कर तोड़ता है तो इन्हें तुरंत ही जमा कर देना चाहिए। एक **बच्चा** अनजान खिलौनो से खेलना पसंद करता है इसलिए **बच्चे** तथा वयस्कों के लिए इन्हें रखने का अर्थ है कि **बच्चा** इन खिलौनों के साथ खेलना चाहता है।

विशेष वयस्क – **बच्चे** का खेलने का समय

एक छोटे **बच्चे** का विकास आमने सामने बात करने की संख्या को बढ़ाकर तेजी से हो सकता है। घर का वातावरण भोरगुल वाला, अवरोध वाला तथा एक ही समय में कई लोग बात करने वाले होंगे। इसकी वजह से यह उचित होगा कि आप **बच्चे** के साथ एक भाांत कमरे मे समय बिताएं, कम अवरोधों के साथ, एक दिन में थोड़ा समय। ऐसे खेल के सत्र **बच्चे**को एक खास लाभ देंगे जो ध्यान नहीं दे पाते हैं। माता पिता को घर पर इन खेल के सत्रों के दौरान माता पिता दिशानिदश में की गई गतिविधियों को दोहराना चाहिए।

हर समय भाशा सीखी जाती है

भाशा को कभी भी सीखा जा सकता है तथा माता पिता को अपने **बच्चे** से बात करने के हर मौके का फायदा उठाना चाहिए इस तरीके से कि वह भी समझे। छोटे **बच्चे** अपनी नियमित गतिविधि ायों में पूरे दिन अपने देखभाल करने वालों के साथ बात करने से सीखते हैं। कभी कभी, ज्यादा चीजें की जाती हैं तथा उसी तरह से कही भी जाती हैं तथा छोटे **बच्चे** खुद ही बोल कर भाब्दों तथा वाक्यों का अर्थ समझते हैं।

इसी वजह से ये 28 गतिविधियां दिनचर्या वाले कार्य हैं जैसे कि कपड़े पहनना तथा खाना बनाना। एक समर्थन करने वाले उपचारकर्ता के सामने बातचीत करके ऐसी गतिविधियों पर बात करके माता पिता अपने घर में ऐसी गतिविधियों का फायदा उठा सकते हैं।

गतिविधि पत्रिका का विवरण:

हर गतिविधि के लिए कुछ सुझाव दिए गए हैं कि कैसे इस गतिविधि को किया जाए तथा साथ ही जरूरी सामग्रियों की एक सूची दी गई है। ये गतिविधियां लिटिलइयर्स डायरी मे उसी सप्ताह सबसे मुख्य होनी चाहिए। गतिविधि पत्रिका में गतिविधि का एक विस्तृत चित्र भी होना चाहिए। सत्र के दिनांक को रिकॉर्ड किया जाना चाहिए तथा साथ ही कि किसने भाग लिया के लिए स्थान होता है। माता पिता तथा **बच्चे** के किसी खास व्यवहार को रिकॉर्ड करने के लिए भी एक स्थान दिया जाता है जैसे बीमारी की वजह से **बच्चे** मे चिड़चिड़ापन या घर में समस्या की वजह से माता में चिड़चिड़ापन।

जबतक एक **बच्चा** एक सहायक द्वारा बात करता है तब तक उपचारकर्ता वयस्क को सामग्री के बारे में बता सकता है। उपचारकर्ता को गतिविधि की रूपरेखा के बारे मे वयस्क को बताना चाहिए। वयस्क सभी सूचनाएं लेने में सक्षम नहीं होगा तथा उन्हें बातचीत के दौरान समय समय पर उपचारकर्ता से सलाह की आव यकता हो सकती है। कोई कड़े नियम नहीं होने चाहिए तथा उपचारकर्ता **बच्चे**के साथ वांछित संवाद कायम करने का प्रयास कर सकती है या उस तकनीक को बताने का जो वह वयस्कों को प्रयोग करने के लिए कह रही है।

कुछ विशय तथा तकनीके भी हर गतिविधि के साथ जुड़ी होती हैं। कुछ तकनीकों में **बच्चे** का ध्यान आकर्शण सम्मिलित होता है, सामग्री को प्रस्तुत करने से पहले, **बच्चे** को खिलौनों से खेलने देना, **बच्चे** को समूहों में खिलौनों को देना, **बच्चे** की रूचि का पता लगाना तथा आवाज की ओर **बच्चे** का ध्यान खींचना। अन्य विशय तथा अनु ांसाएं अनुवर्ती अध्यायों में प्रस्तुत की गई हैं अथ. र्ात **बच्चे** के कक्ष मे प्रवे ाकरने से पूर्व खेलने का एक दृश्य बनाना जैसे कि सप्ताह 4: सफाई की एक रेखा बनाना तथा धुले हुए कपड़े टांगना व **बच्चे** को बाहर घुमाने की महत्ता जैसा कि सप्ताह 20: खिलौने के जानवरों के साथ खेलना।

अन्य गतिविधियों में साफ तरीके से बतलाए गए काल्पनिक विशय होने चाहिए जैसे कि सप्ताह 5: कविता कहना, सप्ताह 23: वाद्य बजाना, तथा सप्ताह 25: किताबों को देखना। कई गतिविधियों को भाशा विकास के लिए नियमित घरेलू कामों में माता पिता द्वारा प्रयोग किए जाने के लिए बनाया गया है जैसे सप्ताह 17: मेज सही से लगाना तथा ना ता मिल कर करना तथा सप्ताह 27: खरीददारी करना।

28 सप्ताह के अंत तक वयस्क के पास संवाद के व्यवहार को बढ़ाने के लिए कुछ उपयोगी तकनीकें होंगी तथा अपने **बच्चे** की भाशा के ज्ञान को सीखने के लिए वह घरेलू कामों का सही प्रयोग कर पाएंगे।

पारिवारिक संवाद श्रेणी पैमाने का विवरण

महत्वपूर्ण संवादों के होने पर वयस्कों तथा शिशुओं के अंक उपचारकर्ता की सहायता तथा उसकी सलाह तथा दिशानिर्देश मे करेंगे। हर व्यवहार को निम्न अंकों में आंका जाएगाः

0 – व्यवहार को परखा नही जा सकता
1 – व्यवहार कभी कभी होता है
2 – व्यवहार अक्सर होता हैं

उपचारकर्ता को अपने अंकों को सत्र के दौरान अवलोकनात्मक दिशानिदेश सत्र के दौरान एकत्र की गई सूचनाओं के आधार पर अपने अंक देगी तथा सत्र के दौरान माता पिता व **बच्चे** के बीच की बातचीत के वीडियों को देखेगी।

नियमित अंतराल पर अंक द्वारा, मान लीजिए कि एक माह में, प्रगति की एक रिपोर्ट की रखी जाएगी। माता पिता को रिपोर्ट को बताने से उनका मनोबल बढ़ता है तथा माता पिता को एक सकारात्मक व्यवहार बनाए रखने में भी मदद मिलती है। कुछ निश्चित क्षेत्रों में कम अंकों को बताना होता है ताकि सही कदम उठाए जा सकें। एक वयस्क जो निरंतर रूप से खेल के विकास करने की क्षमता पर खराब प्रद ान करता है वह उपचारकर्ता से बात कर सकता है तथा उपचार. कर्ता कई विभिन्न उदाहरणों द्वारा वयस्क से बात कर सकता है।

डायरी को पूर्ण कर तथा अनुपालन करने वाले दि ाानिर्दे ा में संलग्न होकर जहां ये बताई गई गतिविधियां पूर्ण हो चुकी हैं, **बच्चे** के माता पिता को ज्यादा जानकार व समय के साथ अपने **बच्चे**के साथ ज्यादा बात करने वाला हो जाना चाहिए। प्रगति पारिवारिक संवाद श्रेणी पैमाने में ज्यादा अंकों के माध्यम से दिखनी चाहिए। **बच्चे** के अंक भी समय के साथ बढ़ने चाहिए। हालांकि हर माता पिता तथा **बच्चा** विकास उपचारकर्ता को ज्यादां जांच करने के लिए सजग कर सकता है। हो सकता है कि एक माता पिता के पास घर मे ज्यादा समस्याएं हों उदाहरण के लिए उनका दूसरा **बच्चा** भी बीमार हो सकता है, वे अवसाद में हो सकते हैं या काम का तनाव हो सकता है। एसे माता पिता को सलाह के लिए पेशवरों के पास जाना चाहिए। ऐसा **बच्चा** जिसके अंक कम हैं हो सकता है कि वह अपने कॉक्लियर इम्प्लांट के साथ सही से न सुन पाता हो। यह आसानी से सुलझने वाली समस्या होती है। हो सकता है कि या तो त्रुटिपूर्ण प्रोसेसर हो या ऑडियो प्रोसेसर सही से फिट नहीं हुआ हो। उपचारकर्ता को ऐसे **बच्चे** को बिना किसी देरी के वाणी चिकित्सक के पास भेजना चाहिए।

MED-EL Medical Electronics
Headquarters
Fürstenweg 77a
6020 Innsbruck, Austria
office@medel.com

MED-EL India Private Ltd
#505 Pragati House
47-48 Nehru Place
New Delhi, 110019 INDIA
Ph. +91-11-41607171
Fax. +91-11-41642800
implants@medel.in

MED-EL GmbH Niederlassung Wien
office@at.medel.com

MED-EL Deutschland GmbH
office@medel.de

MED-EL Deutschland GmbH Büro Berlin
office-berlin@medel.de

MED-EL Deutschland GmbH
Office Helsinki
office@fi.medel.com

MED-EL Unità Locale Italiana
ufficio.italia@medel.com

VIBRANT MED-EL France
office@fr.medel.com

MED-EL BE
office@be.medel.com

MED-EL GmbH Sucursal España
office@es.medel.com

MED-EL GmbH Sucursal em Portugal
office@pt.medel.com

MED-EL UK Ltd
office@medel.co.uk

MED-EL UK London Office
office@medel.co.uk

MED-EL Corporation, USA
implants@medelus.com

MED-EL Latino America S.R.L.
medel@ar.medel.com

MED-EL Colombia S.A.S.
Office-Colombia@medel.com

MED-EL Mexico
Office-Mexico@medel.com

MED-EL Middle East FZE
office@ae.medel.com

MED-EL India Private Ltd
implants@medel.in

MED-EL Hong Kong
Asia Pacific Headquarters
office@hk.medel.com

MED-EL Philippines HQ
office@ph.medel.com

MED-EL China Office
office@medel.net.cn

MED-EL Thailand
office@th.medel.com

MED-EL Malaysia
office@my.medel.com

MED-EL Singapore
office@sg.medel.com

MED-EL Indonesia
office@id.medel.com

MED-EL Korea
office@kr.medel.com

MED-EL Vietnam
office@vn.medel.com

MED-EL Japan Co., Ltd
office-japan@medel.com

MED-EL Liaison Office
Australasia
office@au.medel.com

www.medel.com

24243 1.0